सं.16015/1/2019-पीएमआई

भारत सरकार

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली

दिनांक: 11 जून, 2025

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए मई, 2025 माह के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को उर्वरक विभाग का मई, 2025 माह का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

2. इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(अनिल फुलवारी)

निदेशक (पीएमआई)

दूरभाष: 011-23389839

सेवा में,

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव।
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव।
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: उर्वरक विभाग का मई, 2025 माह का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन कार्य-निष्पादन:

(आँकड़े 'एलएमटी' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	22.36	44.25
डीएपी	3.81	6.94
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.52	1.16
मिश्रित उर्वरक	9.89	16.88
सिंगल सुपर फॉस्फेट	4.74	8.57

स्रोत: 06.06.2025 की स्थिति के अनुसार dbtfert.nic.in

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आँकड़े 'एलएमटी' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	26.71	94.03	23.60
डीएपी	9.41	18.12	5.69
एमओपी	1.51	10.14	1.45
एनपीके	9.72	54.76	8.66

डेटा का स्रोत डैशबोर्ड है

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

(आँकड़े 'एलएमटी' में)

उत्पाद का नाम	आयातित मात्रा
यूरिया	2.91
कृषि उपयोग के लिए एमओपी	0.33
डीएपी	2.36
एनपीके	2.47

4. मई, 2025 के दौरान तालचेर उर्वरक परियोजना की वृद्धिशील प्रगति:

(क). <u>तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करना:</u>

i. 31 मई, 2025 तक तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) की समग्र प्रगति 67.06% है। डब्ल्यूईसीएल पैकेज भी सतत प्रगति दर्शा रहे हैं।

ii. टीएफएल परियोजना के लिए वाणिज्यिक संचालन (डीसीसीओ) शुरू करने की मूल तिथि जून 2024 थी, जिसके आधार पर बैंकों के एक संघ ने परियोजना को वित्त देने पर सहमति व्यक्त की थी। इसके बाद, टीएफएल ने विभिन्न कारकों के कारण डीसीसीओ को दिसंबर, 2027 तक संशोधित किया है, हालांकि, डीसीसीओ के मूल तारीख से दो साल से अधिक के संशोधन ने बैंकों को टीएफएल को और ऋणों के संवितरण को रोकने के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, टीएफएल ऋण खाते को 1 जुलाई 2025 से प्रभावी गैर-निष्पादन परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में पुनर्वर्गीकृत किए जाने की संभावना है।

iii. टीएफएल परियोजना के लिए ऋण वित्तपोषण के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए आगे आवश्यक कार्रवाई करने हेतु विभिन्न विकल्पों की जांच की जा रही है।

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल उपलब्ध बजट अनुमान 184082.44 करोड़ रुपये की तुलना में मई 2025 के दौरान उर्वरक सब्सिडी के प्रशासन पर व्यय 8791.25 करोड़ रुपये (यूरिया: 6359.40 करोड़ रुपये, पीएण्डके: 2424.89 करोड़ रुपये, स्थापना: 3.41 करोड़ रुपये) डीबीटी 1.84 करोड़ रुपए, पूंजीगत व्यय 0.06 करोड़ रुपए, गोबरधन हेतु एमडीए:1.65 करोड़ रुपए) अप्रैल 2025 के दौरान प्रगतिशली व्यय 23368.28 करोड़ रुपए (यूरिया 19045.44 करोड़ रुपए, पीएंडके 4310.70 करोड़ रुपए, स्थापना 8.55 करोड़ रुपए, डीबीटी 1.84 करोड़ रुपए, पूंजीगत व्यय 0.10 करोड़ रुपए तथा गोबरधन हेतु एमडीए 1.65 करोड़ रुपए) अर्थात कुल आवंटन का लगभग 12.69% था।

****